Bihar scholar shines in 2023 Survey of World Scientists

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Nripendra P. Rana, a professor from Shubhaigarh village in Vaishali district, earned global recognition in field of academia. His research work secured him 335th position in Research.com's 2023 Survey of World Scientists in business management. He also claimed 102nd spot in Best Rising Stars of Science category.

Prof. Rana consistently held a position in top 1% of scientists globally for research impact on Clarivate Web of Science list from 2020 to 2022, standing alongside 6000-7000 scientists worldwide.

"It's a great feeling to be acknowledged globally by a renowned international research portal. I'm committed to maintaining my position

on this list and improving my rankings," said Prof. Rana.

With a portfolio of over 350 international research papers, he has served as Professor of Marketing at Qatar University for past three years. Additionally, for last one and a half years, he has taken on role of Adjunct Professor at Chandragupt Institute of Management, Patna (CIMP), contributing to advancement of the institute's research culture alongside the institute's faculty.

Recently, Prof. Rana's achievements drew attention of Queen's University Belfast in Great Britain, where he has been offered a position as a Professor in Digital Marketing and Systems.

"I genuinely believe that students and educators from Bihar have potential to achieve their dreams, just like I have. It's all about staying focused on your goals and aiming high - there's no rocket science to it," he added.

"We are glad that our institute's Adjunct Prof. Nripendra P. Rana has secured such a remarkable feat on a global level. It is a matter of pride for all of us and an inspiration for all our students and faculty," said Dr. Rana Singh, director of CIMP.

Morning India ! Page.No-03 ! Dated:05-01-2024

विश्व वैज्ञानिकों के 2023 सर्वेक्षण में बिहार के विद्वान चमके

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना के सहायक प्रोफेसर ने बिजनेस मैनेजमेंट में विश्व वैज्ञानिकों के रिसर्च डॉट कॉम के 2023 सर्वेक्षण में 335वां स्थान हासिल किया

पटना (आससे)। वैशाली के हाजीपुर के शुभई गढ़ गांव के प्रोफेसर नृपेंद्र पी. राणा ने शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक पहचान हासिल की है। उनके शोध कार्य ने उन्हें बिजनेस मैनेजमेंट में रिसर्च डॉट कॉम के 2023 सर्वे ऑफ वर्ल्ड साइंटिस्ट्स में 335वां स्थान दिलाया, और उन्होंने विज्ञान श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारों में 102वां स्थान भी हासिल किया। प्रोफेसर राणा ने 2020 से 2022 तक क्लैरिवेट वेब ऑफ साइंस सूची पर अनुसंधान प्रभाव के लिए वैश्विक स्तर पर शीर्ष 1त्न वैज्ञानिकों में लगातार स्थान बनाए रखा, और दुनिया भर के 6000-7000 वैज्ञानिकों के साथ खड़े रहे। प्रोफेसर राणा ने कहा, 'एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय शोध पोर्टल द्वारा विश्व स्तर पर स्वीकार किया जाना एक शानदार एहसास है।

मैं इस सूची में अपनी स्थिति बनाए रखने और अपनी रैंकिंग में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। 350 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रों के पोर्टफोलियो के साथ, उन्होंने पिछले तीन वर्षों से कतर विश्वविद्यालय में मार्केटिंग के प्रोफेसर के रूप में कार्य किया है। इसके अतिरिक्त, पिछले डेढ़ वर्षों से, उन्होंने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) में सहायक प्रोफेसर की भूमिका निभाई है, और संस्थान के संकाय के साथ-साथ संस्थान की अनुसंधान संस्कृति को आगे बढ़ाने में योगदान दिया है। हाल ही में, प्रोफेसर राणा की उपलब्धियों ने ग्रेट ब्रिटेन में क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट का ध्यान आकर्षित किया, जहां उन्हें डिजिटल मार्केटिंग और सिस्टम में प्रोफेसर के पद की पेशकश की गई है। मैं वास्तव में मानता हूं कि बिहार के छात्रों और शिक्षकों में मेरे जैसे ही अपने सपनों को हासिल करने की क्षमता है। यह सब अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहने और उच्च लक्ष्य रखने के बारे में है - इसमें कोई रॉकेट साइंस नहीं है।' उसने जोड़ा।

सीआईएमपी के निदेशक प्रोफेसर डॉ. राणा सिंह ने कहा- हमें खुशी है कि हमारे संस्थान के सहायक प्रोफेसर नृपेंद्र पी. राणा ने वैश्विक स्तर पर ऐसी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है और हमारे सभी छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरणा है। शिक्षा के अभाव वाले माहौल में कठिनाइयों और संघर्षों से भरे बचपन के बावजूद, प्रोफेसर राणा ने अपने गाँव के स्कूल में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अंततः उन्होंने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर से गणित में बी.एससी ऑनर्स की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद, उन्होंने असम इंजीनियरिंग कॉलेज, गुवाहाटी से एमसीए की डिग्री हासिल की और पांच वर्षों से अधिक समय तक सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान के व्याख्याता के रूप में कार्य किया।

AAJ ! Page.No-8 ! Dated:05-01-2024

विश्व वैज्ञानिकों के सर्वे में बिहार के प्रो. नृपेंद्र 335वें पर

पटना| बिहार के वैशाली के हाजीपुर के सुभईगढ़ गांव निवासी चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट,

पटना के सहायक प्रोफेसर के प्रोफेसर नृपेंद्र पी. राणा ने बिजनेस मैनेजमेंट में विश्व वैज्ञानिकों के रिसर्च डॉट कॉम के 2023 सर्वेक्षण में 335वां स्थान हासिल किया। उन्होंने विज्ञान श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारों में 102वां स्थान भी हासिल किया। उन्होंने 2020 से 2022 तक क्लैरिवेट वेब ऑफ साइंस सूची पर अनुसंधान प्रभाव के लिए वैश्विक स्तर पर शीर्ष 1% वैज्ञानिकों में लगातार स्थान बनाए रखा, और दुनिया भर के 6000-7000 वैज्ञानिकों के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय शोध पोर्टल द्वारा विश्व स्तर पर स्वीकार किया जाना उत्साहवर्धक है। मैं इस सूची में अपनी रैंकिंग में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

Dainik Bhaskar
Page.No-09
Dated:05-01-2024

वैज्ञानिकों के 2023 के सर्वेक्षण में प्रो नृपेंद्र ने हासिल किया 335वां स्थान

पटना. हाजीपुर के शुभई गढ़ गांव के प्रो नृपेंद्र पी राणा ने (चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के सहायक प्रोफेसर) बिजनेस मैनेजमेंट में विश्व वैज्ञानिकों के रिसर्च डॉट कॉम के 2023 सर्वेक्षण में 335वां स्थान हासिल किया है. उन्होंने विज्ञान श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारों में 102वां स्थान हासिल किया. प्रो राणा की उपलब्धियों ने ग्रेट ब्रिटेन में क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट का ध्यान आकर्षित किया, जहां उन्हें डिजिटल मार्केटिंग और सिस्टम में प्रोफेसर के पद की पेशकश की गयी है. सीआइएमपी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राणा सिंह ने कहा कि हमें खुशी है कि हमारे संस्थान के सहायक प्रोफेसर नृपेंद्र पी राणा ने वैश्विक स्तर पर ऐसी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है.

Prabhat Khabar
Page.No-09
Dated:05-01-2024